पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने केन्द्रीय मंत्री डॉ० वी0 के0 सिंह की आत्मकथा 'साहस एवं संकल्प का विमोचन किया

लखनऊः 17 अक्टूबर, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज राजभवन में केन्द्रीय मंत्री जनरल (डॉ०) वी0के0 सिंह द्वारा लिखित पुस्तक 'साहस और संकल्प' (एक आत्मकथा) का विमोचन किया। जनरल (डॉ०) वी0के0 सिंह केन्द्र सरकार में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा विदेश एवं प्रवासी भारतीय कार्य राज्यमंत्री हैं। कार्यक्रम में सांसद श्री जगदम्बिका पाल, सांसद श्री दद्दन मिश्रा, विधायक डॉ० लक्ष्मीकान्त बाजपेयी लखनऊ के महापौर डॉ० दिनेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कहा कि राजभवन के सभागार में अब तक अलग-अलग प्रकार के अनेकों कार्यक्रम हुए हैं। शारिरिक रूप से अक्षम श्रीमती कामिनी श्रीवास्तव की पुस्तक 'खिलते फूल महकता आंगन', पदम्श्री आसिफा जमानी का काव्य संग्रह 'आबगीना', कुष्ठ पीड़ितों द्वारा प्रस्तुत भजन संध्या आयोजित किये गये हैं। इस कड़ी में एक और स्मरणीय कार्यक्रम जुड़ गया है। डॉ० वी0के0 सिंह को हम विभिन्न रूपों में देख सकते हैं। उन्होंने सेना के माध्यम से 42 वर्ष देश की सेवा की। डॉ० सिंह के डी0एन0ए0 में शायद ऐसा है क्योंकि उनके परिवार के कई लोग सेना से हैं। उन्होंने कहा कि डॉ० सिंह ने पाकिस्तान, श्रीलंका शांति सेना, कारगिल लड़ाई जैसे अनेक महत्वूपर्ण मोर्चों पर सफलतापूर्वक कार्य किया।

श्री नाईक ने कहा कि डॉ० सिंह की पुस्तक 'साहस और संकल्प' हिन्दी में होने से बड़ा पाठक वर्ग लाभान्वित होगा। इस पुस्तक में डॉ० सिंह ने अपने मन की बात कही है। यह सुखद संयोग है कि हम दोनों ने कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग में राज्यमंत्री के रूप में कार्य किया है। उन्होंने डॉ० सिंह को अपने कार्य में सफल होने पर शुभकामनाएं दी।

केन्द्रीय मंत्री जनरल (डॉ०) वी0के0 सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रेरणा देने वाला प्रदेश है। अपनी किताब के बारे में परिचय कराते हुए उन्होंने कहा कि युद्ध के मैदान की बातों के साथ-साथ जीवन की अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं को इस पुस्तक में स्थान दिया गया है। सेवानिवृत्ति के बाद विचार आया कि 42 साल समाज से जो लिया है उसे वापस करने के लिए समाज से जुड़ना चाहिए। देश विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि हमें हाथ से हाथ मिलाकर देश के विकास में सहयोग करने की जरूरत है।

डॉ० लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने कहा कि डॉ० सिंह ने भारत की गौरवशाली सेना का नेवृत्व किया है। उन्होंने कहा कि जिसमें साहस एवं संकल्प नहीं होता वह व्यक्ति सफल नहीं होता।

डॉ० दिनेश शर्मा महापौर ने डॉ० वी0के0 सिंह की सराहना करने हुए कहा कि डॉ० सिंह का नाम संजीदगी से लिया जाता है। डॉ० वी0 के0 सिंह ने अनेक मोर्चों पर सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि डॉ० सिंह का वर्तमान पद भी किसी मोर्चे से कम नहीं है।

कार्यक्रम का संचालन पुस्तक के प्रकाशक श्री अरूण माहेश्वरी ने किया।

मा. राज्यपाल उ.प्र. श्री राम नाईक
द्वारा
मा. सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
व विदेशी एवं प्रवासी भारतीय कार्य राज्य मंत्री, भारत सरकार

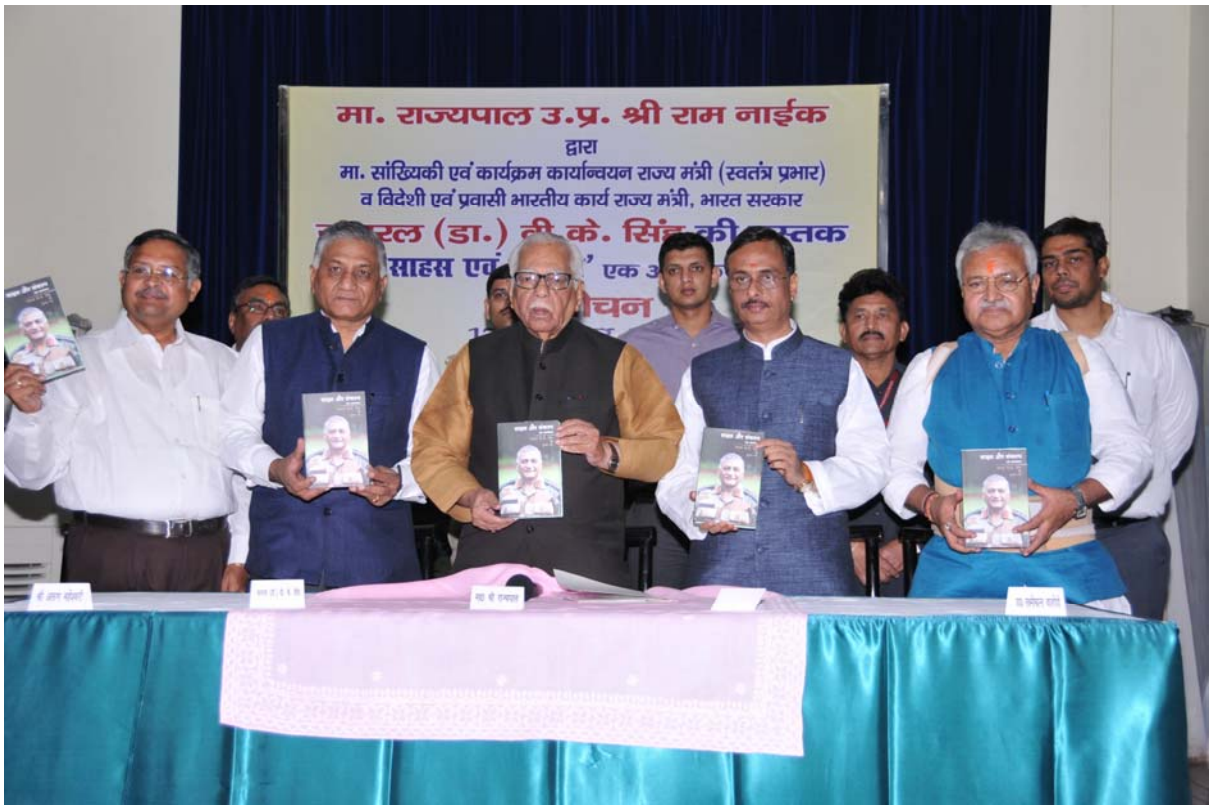
मा. राज्यपाल उ.प्र. श्री राम नाईक
द्वारा
मा. सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
व विदेशी एवं प्रवासी भारतीय कार्य राज्य मंत्री, भारत सरकार

मा. राज्यपाल उ.प्र. श्री राम नाईक
द्वारा
मा. सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
व विदेशी एवं प्रवासी भारतीय कार्य राज्य मंत्री, भारत सरकार
जरल (डा.) वी.के. सिंह की पुस्तक
'साहस एवं संकल्प' एक आत्मकथा का
विमोचन
अक्टूबर 2015
राज भवन